इकाई - 4

कामयाबी की राह पर

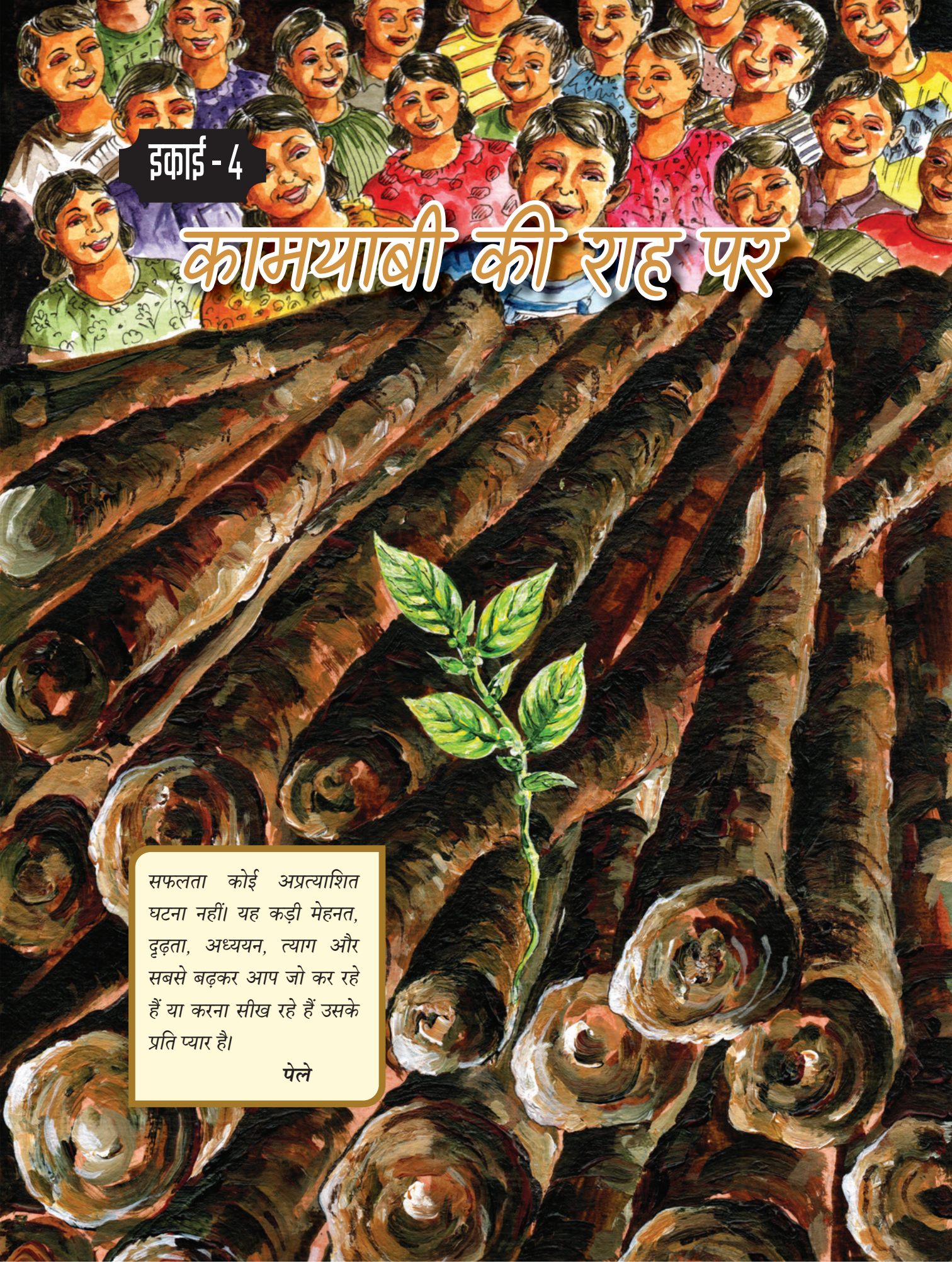

सफलता कोई अप्रत्याशित घटना नहीं। यह कड़ी मेहनत, दृढ़ता, अध्ययन, त्याग और सबसे बढ़कर आप जो कर रहे हैं या करना सीख रहे हैं उसके प्रति प्यार है।

पेले

लेख

फुटबॉल के दिल का राजा

सोपान जोशी

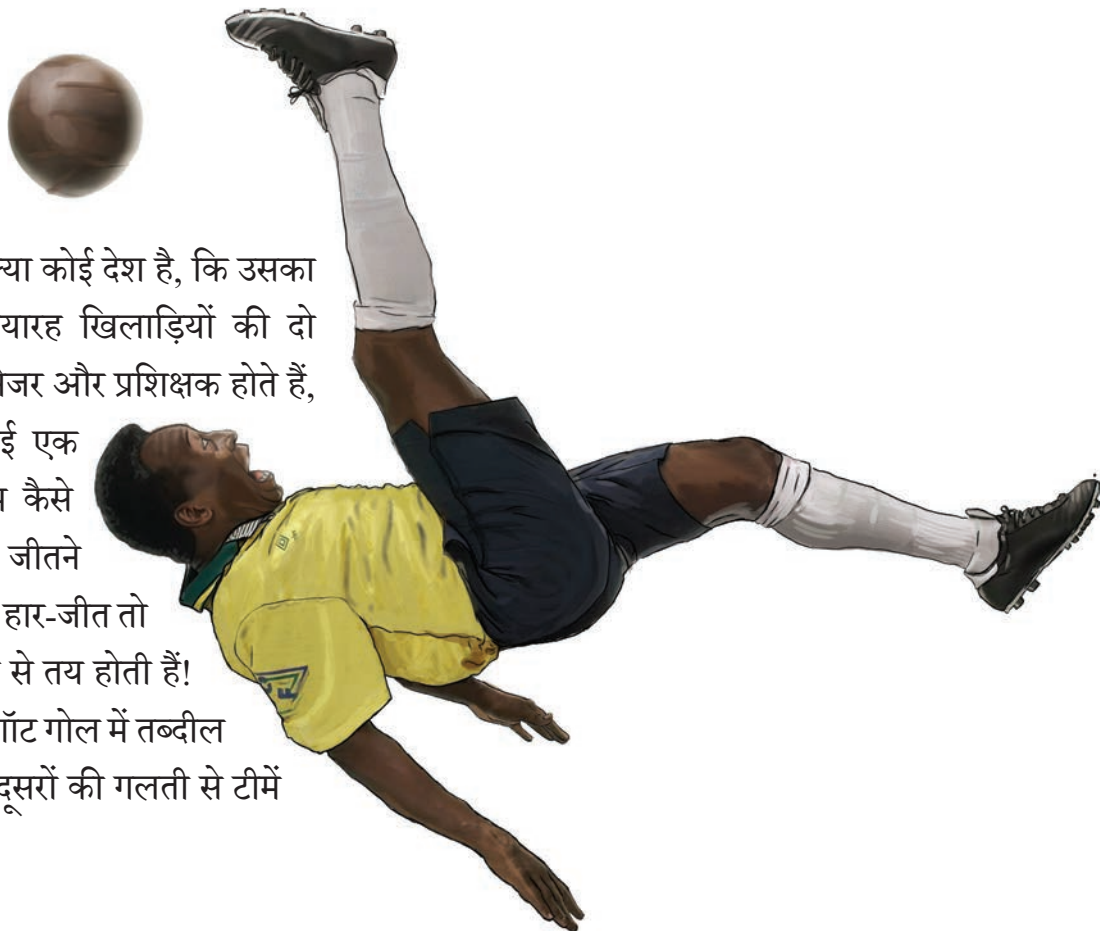

फुटबॉल क्या कोई देश है, कि उसका राजा हो? जिस ग्यारह खिलाड़ियों की दो टीमें खेलती हैं, मैनेजर और प्रशिक्षक होते हैं, उस खेल का कोई एक खिलाड़ी महानतम कैसे माना जा सकता है! जीतने की वजह से? किंतु हार-जीत तो ज़रा-ज़रा-सी बातों से तय होती हैं! कई बहुत बढ़िया शॉट गोल में तब्दील नहीं होते, जबकि दूसरों की गलती से टीमें जीत जाती हैं!

'हार-जीत तो ज़रा-ज़रा-सी बातों से तय होती हैं!' -इसपर अपना विचार प्रकट करें।

फिर फुटबॉलर पेले को खेल का राजा क्यों कहते हैं? 29 दिसंबर 2022 को 82 साल की उम्र में उनकी मृत्यु हुई। ब्राज़ील में उनकी शवयात्रा 13 किलोमीटर लंबी थी! अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल से वे 50 साल पहले रिटायर हो गए थे, क्लब के खेल से 1977 में।

उनके समय में और उसके बाद कमाल के कई खिलाड़ी हुए। अर्जेंटीना में अरफ्रेडो डी स्टीफानो और बाद में डिएगो माराडोना और लायनल मेसी। हंगरी के फेरेंच पुश्कास। जर्मनी के फ्रांज़ बेकेनबॉअर। हॉलैंड के योहान क्रायफ़। ब्राज़ील में तो गज़ब के खिलाड़ियों का ताँता लगा रहा है। सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी कहलाने का इनमें से हरेक का मज़बूत दावा है।

पेले तीन विश्व कप जीतनेवाले एकमात्र खिलाड़ी हैं। 1958 में ब्राज़ील की पहली विश्व कप विजय के समय छह गोल करने वाले पेले 17 साल के थे। उस प्रतियोगिता के सबसे बढ़िया खिलाड़ी ब्राज़ील के मिडफील्डर डीडी थे। उस टीम के करामाती खिलाड़ी गैरिंचा थे, जिन्हें फुटबॉल का सबसे बढ़िया ड्रिबलर कहा जाता है।

जब 1962 में ब्राज़ील ने विश्व कप दूसरी दफ़ा जीता, तब पेले दूसरे मैच में ही चोट खाके बाहर हो गए थे। इस बार गैरिंचा प्रतियोगिता के सबसे बेहतरीन खिलाड़ी थे। 1966 के विश्व कप में पेले पर इतने प्रहार हुए कि वे प्रतियोगिता से बाहर हो गए थे, ब्राज़ील भी।

1970 में तीसरा विश्व कप जीतने वाली ब्राज़ील टीम आज तक की सबसे बढ़िया फुटबॉल टीम कही जाती है। इसमें पेले के अलावा कई महारथी थे। सुंदर फुटबॉल खेलने में 1982 की ब्राज़ील टीम का नाम सबसे ऊपर आता है, जब पेले रिटायर हो चुके थे।

उनके 1279 गोल के विश्व रिकॉर्ड का लोग मज़ाक उड़ाते हैं, क्योंकि उनमें से अधिकतर ब्राज़ील के क्लब 'सांतोस' के लिए थे। उनकी अंतर्राष्ट्रीय लोकप्रियता का एक कारण यह था कि सांतोस उन्हें दुनिया भर में नुमाइशी मैच खेलने के लिए घुमाता रहा। इस तरह की कई और बातें हैं। किंतु पेले की आलोचना करने वाले भी मानते हैं कि उनके जैसा संपूर्ण खिलाड़ी कोई दूसरा नहीं हुआ। उनके पास फुटबॉल का हर हुनर था। ऊँचे दर्जे का था। उनके समय में डिफेण्डर आक्रामक खिलाड़ियों के शरीर पर सीधे हमले करते थे और रेफरी यह सब होने देते थे। पाँच-फुट-आठ-इंच के पेले से अधिक मार-पिटाई किसी दूसरे खिलाड़ी की नहीं हुई। उन्होंने रोना नहीं रोया, शिकायत नहीं की। वे खुद दूसरों पर फाउल करने में चूकते नहीं थे।

जीतने के लिए गलत रास्ता अपनाने के संबंध में आपका मत क्या है?

उन्होंने कड़े अभ्यास से अपने शरीर को मज़बूत बनाए रखा, जबकि गैरिंचा ने अपनी प्रतिभा शराब पी-पीके बिगाड़ दी। उम्र के साथ जब उनकी आँख और शरीर कमज़ोर पड़ गए, तब उन्होंने अपना खेल टीम की ज़रूरत के हिसाब से बदल लिया। वे खुद जितने गोल करते थे, अपने करिश्मे से दूसरों को भी गोल बनाके देते थे। उनकी अनोखी प्रतिभा का डर तो उनके प्रतिद्वंद्वियों में था ही, उनके लिए एक अनूठा सम्मान भी था। उनके हुनर की तरह ही उनकी मुसकान भी मशहूर थी।

'लोगों के दिल में जगह पाने के लिए हुनर के साथ मुसकान की भी ज़रूरत है' - यह कहाँ तक सही है? क्यों?

टी.वी., इंटरनेट और सोशियल मीडिया के पहले पेले का नाम सारी दुनिया जानती थी। घर-घर में पता था कि पेले कौन हैं। वे पहले खिलाड़ी थे जिनपर अनेक फिल्में बनीं। ऐसे कई गोलकीपर थे जो अपना परिचय देते समय बताते थे कि पेले ने उन्हें कैसे चकमा दिया था।

फुटबॉल की लोकप्रियता पेले की ख्याति के साथ दुनिया भर में फैली। और यह सब उन्होंने तब किया जब अफ्रीकी मूल के काले वर्ण के लोगों का दुनिया भर में अपमान होता था। उन्हें कमतर आँका जाता था। बिना स्कूल की शिक्षा के, भयानक गरीबी और भुखमरी से निकल के फुटबॉल के दिल पर इस तरह किसी दूसरे ने राज नहीं किया। क्या आगे कोई कर सकेगा?

कई कठिनाइयों के शिकार होने के बावजूद पेले ने लोगों के दिल पर राज किया। यह कैसे संभव हो सका?

जी हाँ, फुटबॉल का एक राजा है, हमेशा रहेगा। इसे नकारने की हिम्मत न कीजिएगा!

क्या अपने आप को पेले समझ रखा है!

पेले जैसे अमर रहने के लिए आप अपनी ज़िंदगी को कैसे जीना चाहेंगे?

खिलाड़ी को पहचानें, देश का नाम जोड़कर लिखें :

- लायनल मेसी **अर्जेंटीना** के खिलाड़ी हैं।
- योहान क्रायफ़ ..... के खिलाड़ी हैं।
- माराडोना ..... के खिलाड़ी हैं।
- फ्रांज़ बेकनबॉअर ..... के खिलाड़ी हैं।
- गैरिंचा ..... के खिलाड़ी हैं।
- .....।

लेख पढ़ें, नमूने के अनुसार लिखें :

- **उन्नीस सौ अठावन** की विश्व कप प्रतियोगिता में ब्राज़ील की पहली विजय हुई।
- ..... में पेले विश्व कप प्रतियोगिता से बाहर हो गए।
- ..... में ब्राज़ील ने तीसरी विश्व कप प्रतियोगिता जीती।
- ..... में पेले क्लब के खेल से रिटायर हो गए।
- .....

पहचानें, 'खिलाड़ी' शब्द की विशेषता बताने के लिए लेख में किन-किन शब्दों का प्रयोग किया गया है :

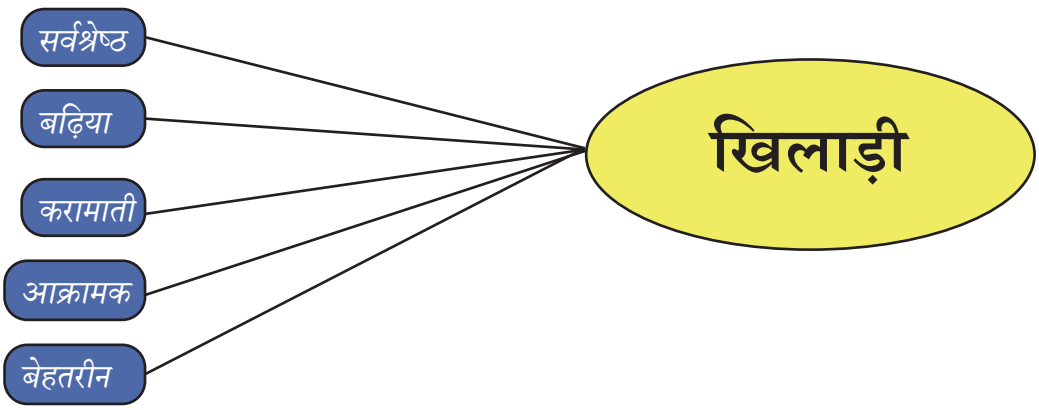

ढूँढ़कर लिखें, प्रत्येक शब्द का प्रयोग किन-किन शब्दों की विशेषता बताने के लिए किया गया है :

- लंबी
- मज़बूत
- सुंदर
- नुमाइशी
- कड़े

पढ़ें, रेखांकित शब्दों पर ध्यान दें :

- पेले जैसा **दूसरा** खिलाड़ी नहीं हुआ।
- किसी **दूसरे** खिलाड़ी की मार-पिटाई नहीं हुई।
- ब्राज़ील ने विश्व कप **दूसरी** दफ़ा जीता।

पेले के जीवन पर बने वृत्तचित्र (डॉक्यूमेंटरी) देखें और इस वर्कशीट की पूर्ति करें :

पूरा नाम	:
जन्म	:
परिवार	:
शिक्षा	:
कार्यक्षेत्र	:
उपलब्धियाँ	:
निधन	:

सार्थक वाक्य में बदलें :

पेलेअपनेमातापिताकापहलाबेटाथा।

पेले की जीवनी तैयार करें।

परखें :

- व्यक्ति का नाम, जन्म और जन्म स्थान लिखे हैं। ☐
- व्यक्तिगत जीवन की बातें जोड़ी हैं। ☐
- शिक्षा एवं पेशे का उल्लेख किया है। ☐
- जीवन की महत्वपूर्ण घटनाएँ शामिल हैं। ☐
- मुख्य उपलब्धियों को जोड़ा है। ☐
- दुनिया भर व्यक्ति के प्रभाव का उल्लेख किया है। ☐

सोपान जोशी

जन्म : 20 अक्तूबर1973

सोपान जोशी का जन्म मध्यप्रदेश के इंदौर में हुआ। वे पत्रकार, लेखक और संपादक हैं। 'जल थल मल', 'एक था मोहन' आदि उनकी प्रकाशित रचनाएँ हैं।

मदद लें...

खिलाड़ी - खेलनेवाला

प्रशिक्षक - പരിശീലകൻ, trainer, ತರಬೇತುದಾರ, **பயிற்சியாளர்**

की वजह - के कारण

हार-जीत - जय-पराजय

ज़रा-सी - हल्की-सी

तय होना - निश्चित होना

बढ़िया - बहुत अच्छा

तब्दील होना - बदलना

उम्र - आयु

कमाल - आश्चर्य

ताँता लगाना - कतार या लाइन लगाना

मज़बूत दावा - ഉറച്ച അവകാശവാദം, strong claim, ಬಲವಾದ ಹಕ್ಕು, **வலிமையான உரிமை**

प्रतियोगिता - മത്സരം, match, ಸ್ಪರ್ಧೆ, **போட்டி**

दूसरी दफ़ा - दूसरी बार

चोट खाके - മുറിവേറ്റ്, wounded, ಗಾಯಗೊಂಡ, **காயப்பட்ட**

बेहतरीन - बहुत बढ़िया

मज़ाक उड़ाना - പരിഹസിക്കുക, make fun of, ಪರಿಹಾಸಗೈಯು, **கேலி செய்தல்,**

अधिकतर - अधिकांश

नुमाइशी मैच - പ്രദർശന മത്സരം, exhibition match, ಪ್ರದರ್ಶನ ಸ್ಪರ್ಧೆ, **கண் காட்சிப்போட்டி**

आलोचना - വിമർശനം, criticism, ವಿಮರ್ಶೆ, **விமர்சனம்**

हुनर - प्रतिभा

ऊँचे दर्जे का - ഉന്നത നിലവാരത്തിലുള്ള, high level, ಉನ್ನತ ಮಟ್ಟದ, உயர் நிலையிலுள்ள

हमला - आक्रमण, प्रहार

बिगाड़ना - नाश करना

कमज़ोर - दुर्बल

खुद - स्वयं

करिश्मा - चमत्कार

अनोखी - विचित्र

अनूठा - अनोखा

सम्मान - आदर

मशहूर - प्रसिद्ध

पता था - मालूम था

ख्याति - प्रसिद्धि

चकमा देना - കബളിപ്പിക്കുക, deceive, ಮೋಸ ಮಾಡು, ஏமாற்றுதல்

कमतर आँकना - തരംതാഴ്ത്തി കാണുക, to look down on, ಕೀಳಾಗಿ ಕಾಣು, பாகுபாடுகா ட்டுதல்

भुखमरी - പട്ടിണി മരണം, death by starvation, ಹಸಿವಿನ ಮರಣ, பட்டினிமரணம்

राज करना - ആധിപത്യം സ്ഥാപിക്കുക, dominate, ಆಧಿಪತ್ಯಸ್ಥಾಪಿಸು, ஆதிக்கம் செலுத்துதல்

नकारना - अस्वीकार करना

हिम्मत - साहस

घर, पेड़ और तारे की याद

लोककथा

मंगलेश डबराल

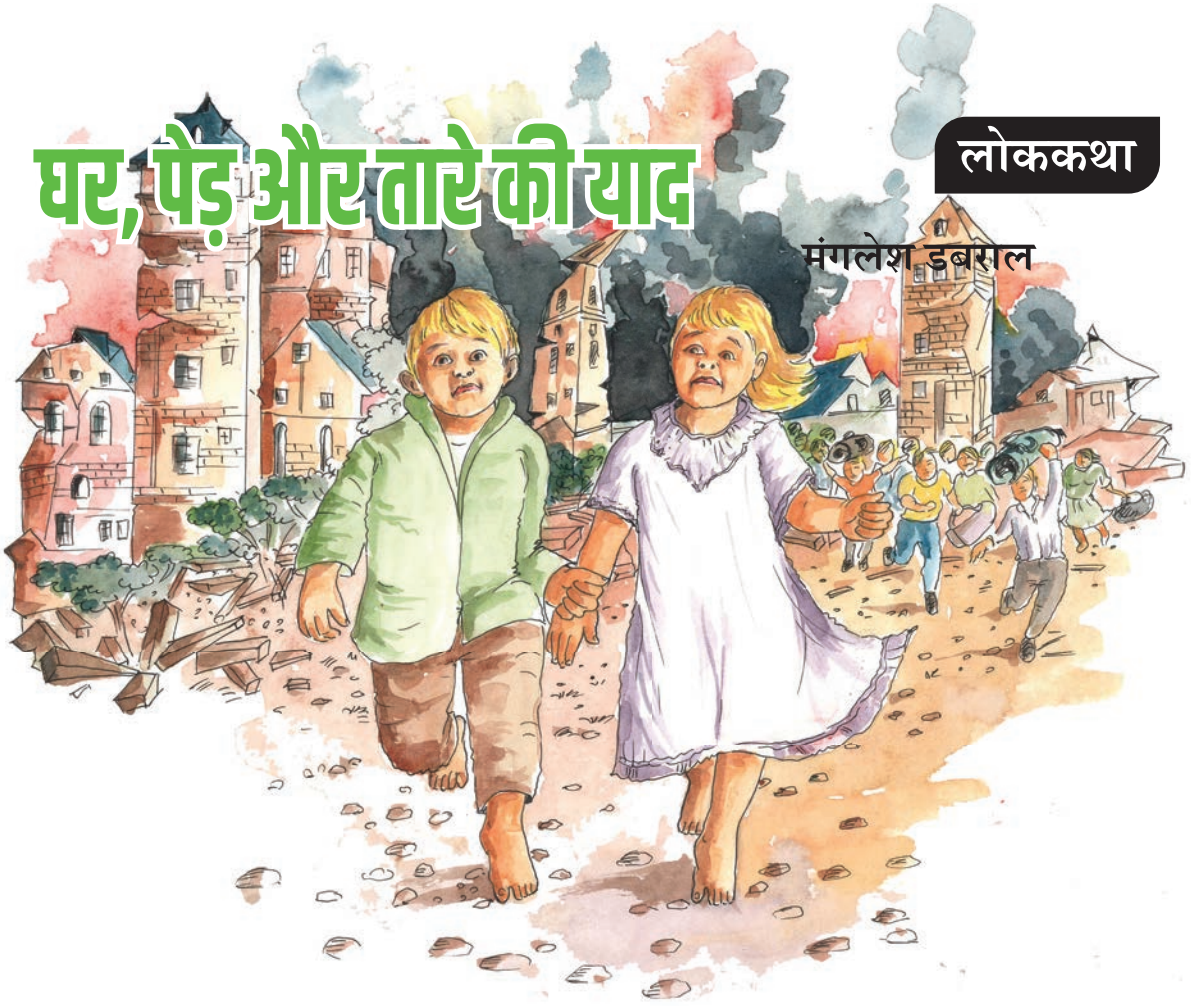

उत्तरी ध्रुव के पड़ोस में जो देश हैं उनमें फिनलैंड भी है। उसकी सीमाएँ रूस से मिलती हैं। करीब दो सौ साल पहले फिनलैंड को युद्ध में बहुत नुकसान हुआ। शहरों को जला दिया गया। फ़सलें नष्ट हो गईं। हज़ारों लोग मारे गए। हज़ारों मौतों के बाद कई बीमारियाँ फैल गईं। हज़ारों लोग अपने घरों को छोड़ कर जाने के लिए मज़बूर हो गए। कुछ लोगों को दुश्मनों की सेना पकड़ कर ले गई। बहुत से परिवारों में माता-पिता और बच्चे भी अलग-अलग हो गए। जब कुछ दिन बाद कुछ भागे हुए लोग वापस आए तो उन्हें जले हुए घरों और फ़सलों के अलावा कुछ भी नहीं मिला। उन्होंने बहुत मेहनत करके फिर से अपने घरों को बनाया। फ़सलें उगाईं और लोगों के लौटने का इंतज़ार करने लगे। यह कहानी उसी दौर की है।

युद्ध के शिकार लोगों को कौन-कौन सी परेशानियाँ झेलनी पड़ती हैं?

युद्ध के दौरान एक भाई और उसकी बहन घर से बिछुड़ गए। भाई आठ साल का था और बहन छह साल की। वे एक दूर देश

में पहुँचे। वहाँ उन्हें घर की बहुत याद आती थी। वे इतने छोटे थे कि उन्हें वापस लौटने का रास्ता पता नहीं था। उनके पास-पड़ोस के लोग बहुत भले थे। वे उनकी देखभाल करने लगे। कुछ साल बीते और बच्चे बड़े होते गए। लेकिन वे अपने माता-पिता और देश को नहीं भूल पाए। उन्हें आँगन में खड़े सनोबर (भोज) के पेड़ की भी याद आती थी जिसपर हर सुबह दो पक्षी बैठ कर गाते थे और रात में उसकी शाखाओं के बीच से एक चमकीला तारा दिखाई देता था।

एक दिन खबर आई कि अब फिनलैंड में शांति है और घरों से बिछुड़े लोग लौट सकते हैं। भाई-बहन को लगा कि उन्हें भी घर लौटना चाहिए। उन्होंने अपनी देखभाल करने वाले अभिभावकों से इसकी अनुमति माँगी।

अभिभावकों ने हँसते हुए कहा, "पता है, तुम्हारा देश यहाँ से कितनी दूर है? कैसे पहुँचोगे?"

बच्चों ने जवाब दिया, "हम किसी तरह पहुँच जाएँगे, भले ही इसमें बहुत दिन लग जाएँ।"

'हम किसी तरह पहुँच जाएँगे' -इस कथन से बच्चों का कौन-सा मनोभाव प्रकट होता है?

अभिभावकों ने कहा, "यहाँ तुम्हारे पास घर, कपड़े, भोजन और दोस्त, सब कुछ हैं। तुम्हारे देश में अभी बहुत गरीबी और अभाव है। वहाँ तुम्हें भूखा रहना पड़ेगा और खुरदुरे बिस्तर पर सोना पड़ेगा। फिर, पता नहीं, तुम्हारा घर बचा भी है या नहीं और तुम्हारे माता-पिता जीवित भी हैं या नहीं। "

बच्चों ने कहा, "फिर भी हम घर जाना चाहते हैं। हमें माता-पिता की बहुत याद आती है। और घर के आँगन में खड़े सनोबर के पेड़ की भी।"

अभिभावकों ने कहा, "लेकिन तुम कई साल से अपने घर से दूर हो। जब तुम यहाँ आए थे तो सिर्फ आठ और छह साल के थे। तुम जिस सड़क से आए थे, उसे भूल गए होगे। तुम्हें यह भी याद नहीं होगा कि तुम्हारे माता-पिता कैसे दिखते हैं। और फिर, तुम्हें रास्ता कौन बताएगा?"

लड़के ने जवाब दिया, "मुझे याद है कि मेरे पिता के घर के सामने एक बड़ा-सा सनोबर का पेड़ है। हर सुबह दो प्यारे पक्षी वहाँ गाते हैं। मुझे यह भी याद है कि रात को पेड़ की शाखाओं के बीच से एक चमकीला तारा दिखाई देता है।"

अभिभावकों ने कहा, "घर लौटते हुए तुम मुसीबत में ही पड़ोगे। "

इसके बावजूद बच्चों ने घर लौटने की ज़िद नहीं छोड़ी। अपने देश और माता-

पिता को भुलाना उनके लिए असंभव हो गया। उनकी रातों की नींद उड़ गई।

बच्चे क्यों परेशान हैं?

रात को भाई बहन से पूछता, “क्या तुम सो रही हो?"

बहन कहती, "नहीं। मुझे घर की याद आ रही है। "

बहन भाई से पूछती, “क्या तुम सो रहे हो?"

भाई कहता, "नहीं। मैं घर के बारे में सोच रहा हूँ।" दोनों ने तय किया कि एक दिन चुपके से भाग चलें। कभी न कभी घर मिल ही जाएगा।

एक रात जब आसमान में चाँद चमक रहा था, दोनों बच्चों ने अपने कुछ कपड़े इकट्ठा किए और चल पड़े। चाँद की रोशनी में रास्ता दिखाई दे रहा था।

कुछ दूर चलने पर बहन बोली, “भाई, लगता है हम कभी घर नहीं पहुँच पाएँगे।”

भाई ने कहा, "चलो, हम उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर चलते हैं। मुझे उम्मीद है कि हम जरूर सनोबर के पेड़ और तारे के पास पहुँच पाएँगे। उस पेड़ के बीच से तारा दिखाई देगा तो समझना कि घर आ गया है।"

दोनों बच्चे हिम्मत के साथ आगे बढ़ते गए। लड़के ने अपनी और बहन की रक्षा के लिए बलूत के एक पेड़ से एक अच्छी-सी टहनी तोड़ कर अपने पास रख ली।

चलते-चलते एक दिन वे एक चौराहे पर पहुँचे। उन्हें पता नहीं था कि आगे कौन-सा रास्ता लें।

अचानक उन्होंने दो छोटे पक्षियों को देखा जो सड़क के किनारे एक पेड़ पर गा रहे थे।

भाई बोला, "यह रास्ता सही है। मैं इसे पक्षियों के गीत से जानता हूँ। वे हमारी मदद करने के लिए आए हैं। "

बच्चे उसी रास्ते पर चल दिए। पक्षी भी उनके साथ धीरे-धीरे उड़ान भरते रहे और पेड़ों की शाखाओं पर बैठते रहे। बच्चों ने पेड़ों से जामुन, बेर और दूसरे जंगली फल तोड़कर अपनी भूख मिटाई और झरनों का पानी पिया।

इतने लंबे समय तक भटकने से बहन बहुत थक गई थी। उसने भाई से पूछा, "हमें अपना सनोबर का पेड़ कब मिलेगा?"

भाई ने कहा, "जब हम लोगों को वह भाषा सुनाई देगी, जो हमारे माता-पिता बोलते थे।"

चलते-चलते जंगल में ठंड बढ़ने लगी। बहन ने फिर से सनोबर के पेड़ के बारे में पूछा। भाई ने उसे थोड़ा धैर्य रखने के लिए कहा।

धीरे-धीरे उनका पुराना देश छूट गया। पहले ज़मीन समतल थी, लेकिन अब वे पहाड़ों, नदियों और झीलों के देश में आ गए थे। बहन ने पूछा, "भाई, हम खड़ी पहाड़ियों पर कैसे पहुँचेंगे?"

भाई ने हिम्मत बँधाई, "मैं तुम्हें ले जाऊँगा।"

रास्ते में कुछ नदियाँ और झीलें पड़ीं। लेकिन वहाँ उन्हें नावें मिल गईं। भाई बहन को बिठाकर नाव खेता रहा। दोनों पक्षी भी उनके साथ-साथ उड़ान भरते और रुकते रहे।

एक शाम जब वे बहुत थके हुए थे, तो उन्होंने कुछ जली हुई इमारतों को देखा। उनके पास ही एक नया फार्म हाउस बना था। रसोई के दरवाज़े के बाहर एक लड़की सब्जियाँ छील रही थी।

"क्या हमें खाने के लिए कुछ दे सकती हैं?" भाई ने पूछा।

लड़की ने जवाब दिया, "हाँ, आओ। माँ रसोई में हैं। वे ज़रूर तुम्हें कुछ देंगी। "

भाई ने बहन की गर्दन को बाँह में लिपटाया और कहा, "क्या तुमने सुना? यह लड़की वही भाषा बोल रही है जो हमारे माता-पिता बोलते थे। अब हम सनोबर के पेड़ और तारे की तलाश शुरू कर सकते हैं।"

दोनों बच्चे रसोई में गए जहाँ उन्हें अच्छा खाना मिला। उन्होंने अपनी पूरी कहानी बताई और कहा कि हमारे पास घर की एक ही निशानी है। उसके सामने सनोबर का एक पेड़ है। उसकी शाखाओं में हर सुबह दो पक्षी गाते हैं और रात में उनके

बीच एक खूब चमकीला तारा दिखाई देता है।

घर के लोगों ने कहा, "यहाँ हज़ारों सनोबर हैं। उनपर हज़ारों पक्षी गाते हैं और हज़ारों तारे आसमान में चमकते हैं। तुम अपना घर कैसे पहचानोगे?"

भाई-बहन ने जवाब दिया, "जब हम अपने देश पहुँच चुके हैं, तो हमें वह पेड़ भी मिल जाएगा। यहाँ तक पहुँचने के लिए दो पक्षी भी हमें रास्ता बताते रहे हैं।"

दोनों बच्चों ने इसी तरह सफ़र जारी रखा। जगह-जगह गरीबी फैली हुई थी। लेकिन वे जहाँ-जहाँ गए, उन्हें खाने और रात बिताने के लिए जगह मिलती रही। लोग उन्हें बहुत सहानुभूति से देखते थे।

'उन्हें खाने और रात बिताने के लिए जगह मिलती रही।' -यहाँ शरणार्थियों के प्रति लोगों का कौन-सा मनोभाव प्रकट होता है?

"यह रहा हमारा पेड़ !" भाई की आँखों से खुशी के आँसू बहने लगे।

"और वह हमारा तारा।" बहन पहले हँसी और फिर रोने लगी।

अपने लक्ष्य पर पहुँचने का संकेत मिलने पर भाई-बहन आँसू बहा रहे हैं। इसका कारण क्या होगा?

वे एक-दूसरे से लिपट गए। भाई ने कहा, "यह वह खलिहान है जहाँ पिता के घोड़े खड़े रहते थे।" "और यह कुआँ है जहाँ से माँ मवेशियों के लिए पानी लाती थीं।" बहन ने कहा।

भाई ने कहा, "चलो, घर के अंदर चलते हैं।"

"पहले तुम जाओ।" बहन ने कहा, "मुझे डर लगता है। पता नहीं माँ-पिता जीवित भी हैं या नहीं।"

अंदर कमरे में एक बूढ़ा आदमी अपनी पत्नी के साथ बैठा था और कह रहा था, "वसंत फिर से आ गया है। पक्षी गा रहे हैं। फूल जगह-जगह झाँक रहे हैं। लेकिन हमारे दिल में खुशी की कोई उम्मीद नहीं है।"

'लेकिन हमारे दिल में खुशी की कोई उम्मीद नहीं है' -उनकी ज़िंदगी से इस कथन का क्या संबंध है?

तभी दरवाजा खुला। एक लड़का और एक लड़की अंदर आए और उन्होंने खाने के लिए कुछ माँगा।

"बच्चो, पास आओ।" उस बूढ़े आदमी ने कहा, "आज रात हमारे साथ रहो। हमारे बच्चे अगर हमारे पास होते तो बिलकुल तुम्हारे जैसे सुंदर होते।" कहते-कहते उसके आँसू आ गए।

बच्चों से नहीं रहा गया। उन्होंने अपने पिता और माँ को गले लगा लिया और रोते हुए कहा, "हम ही आपके बच्चे हैं। हम वापस लौट आए हैं। हम सनोबर के पेड़ से ही अपने घर को पहचान गए थे। "

खुशी के मारे माता-पिता की आँखें छलक पड़ीं। उन्होंने दोनों के गालों को चूमा। माँ ने कहा, "मुझे पता था कि आज कोई अच्छी बात होने वाली है। आज सुबह-सुबह हमारे पेड़ की शाखाओं में दो पक्षी बहुत मिठास के साथ गा रहे थे।"

भाई-बहन और माँ-बाप के मिलन के वक्त प्रकृति भी खुश है। कहानी से कुछ उदाहरण पेश करें।

भाई ने कहा, "हाँ, आज तारा भी पत्तियों के बीच पहले से कहीं ज़्यादा चमक रहा है। अब हमें अपना घर मिल गया है। हमारी भटकन खत्म हो गई है। "

'हमारी भटकन खत्म हो गई है' -क्या संसार के सारे शरणार्थी इस तरह अपने घर पहुँच पाते हैं? अपनी राय बताएँ।

अपने घर वापस पहुँचने के लिए भाई-बहन किन-किन निशानों की याद करते हैं? कहानी से ढूँढ़कर लिखें।

भाई-बहन को अपने घर पहुँचाने में कइयों ने अपनी भूमिका निभाई है। ऐसे प्रसंग कहानी से चुनकर लिखें :

जैसे,

- गीत गानेवाले दो छोटे पक्षियों ने रास्ता दिखाया।
- .....
- .....
- .....
- .....

सही मिलान करें :

पात्र	कथन	मनोभाव
भाई	मुझे पता था कि आज कोई अच्छी बात होनेवाली है।	भाई-बहन के भविष्य पर आशंका।
अभिभावक	भाई, हम खड़ी पहाड़ियों पर कैसे पहुँचेंगे?	सफलता पर खुशी।
बहन	अब हमें अपना घर मिल गया है। हमारी भटकन खत्म हो गई है।	जीवन में खुशियों के लौट आने की प्रतीक्षा।
माँ	घर लौटते हुए तुम मुसीबत में ही पड़ोगे।	रास्ते की बाधाओं का डर।

जैसे :-

भाई - अब हमें अपना घर मिल गया है। हमारी भटकन खत्म हो गई है। - सफलता पर खुशी।

चरित्र पर टिप्पणी लिखें :

- इस कहानी का कौन-सा पात्र आपको अधिक पसंद आया? क्यों?
- कहानी के भाई के चरित्र पर टिप्पणी लिखें।

संवाद लिखें, रोलप्ले करें :

बहुत भटकने के बाद भाई-बहन अपने माता-पिता से मिल सके। इस प्रसंग का संवाद लिखें और कक्षा में रोलप्ले प्रस्तुत करें।

इन वाक्यों के रेखांकित शब्दों पर ध्यान दें :

- मैं तुम्हें ले **जाऊँगा।**
- तुम अपना घर कैसे **पहचानोगे?**
- हम किसी तरह पहुँच **जाएँगे।**
- कभी न कभी घर मिल ही **जाएगा।**
- पेड़ के बीच से तारा दिखाई **देगा।**
- वह भाषा सुनाई **देगी।**

बताएँ, रेखांकित शब्दों का संबंध वाक्य के किस शब्द से है।

पटकथा के दृश्य के इस नमूने पर ध्यान दें :

दृश्य - 1

पहाड़ी रास्ता। शाम का समय।

(दूर से पुरानी जली हुई इमारतें दिख रही हैं। एक बड़ी लड़की फार्म हाउस की रसोई के दरवाज़े के बाहर बैठी सब्जियाँ छील रही है। लगभग 11 साल की लड़की और 13 साल का लड़का उस बड़ी लड़की से बात कर रहे हैं।)

लड़का : (संकोच के साथ) क्या हमें खाने के लिए कुछ दे सकती हैं?

बड़ी लड़की : हाँ, आओ। माँ रसोई में हैं। वह ज़रूर तुम्हें कुछ देंगी।

लड़का : बहुत शुक्रिया दीदी। (लड़का बहन की गर्दन को बाँह में लिपटाते हुए धीमी आवाज़ में) क्या तुमने सुना? यह लड़की वही भाषा बोल रही है जो हमारे माता-पिता बोलते थे। अब हम सनोबर के पेड़ और तारे की तलाश शुरू कर सकते हैं। चलो हम रसोई में चलते हैं।

(दोनों बच्चे रसोई की ओर चलते हैं।)

अब कहानी के किसी मार्मिक प्रसंग पर पटकथा का एक दृश्य लिखें।

मंगलेश डबराल

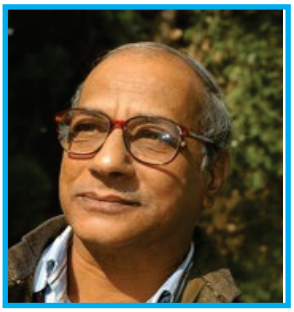

जन्म : 16 मई 1948
मृत्यु : 09 दिसंबर 2020

मंगलेश डबराल का जन्म उत्तराखंड में हुआ। 'पहाड़ पर लालटेन', 'घर का रास्ता', 'लेखक की रोटी', 'हम जो देखते हैं' आदि उनकी प्रमुख रचनाएँ हैं। वे साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित हैं।

मदद लें...

सीमा - അതിർത്തി, border, ಗಡಿ, **எல்லை**

नुकसान हुआ - नष्ट हुआ

जला दिया - കത്തിച്ചു കളഞ്ഞു, burned, ಹೊತ್ತಿಸಿಬಿಡು, **எரிந்துவிட்டன**

मौत - मृत्यु

मजबूर होना - विवश होना

भागे हुए लोग - പലായനം ചെയ്തവർ, refugees, ಪಲಾಯನಗೈದವರು, **அகதிகள்**

लौटना - മടങ്ങുക, to return,ಹಿಂತಿರುಗುವುದು, **திரும்பி வருதல்**

उसी दौर की - അക്കാലത്തെ, at that time, ಆ ಕಾಲದಲ್ಲಿ , **அக்காலத்தில்**

बिछुड़ गए - अलग हुए

भले - अच्छे

देखभाल - സംരക്ഷണം, protection, ಸಂರಕ್ಷಣೆ, **பாதுகாப்பு**

भूल पाना - മറക്കാൻ സാധിക്കുക, able to forget, ಮರೆಯಲು ಸಾಧ್ಯವಾಗುವುದು, **மறக்க இயலுவது**

सनोबर (भोज) - പൈൻ മരം, pine tree, ಪೈನ್ ಮರ, **பைன் மரம்**

चमकीला - തിളങ്ങുന്ന, shining, ಹೊಳೆಯುವ ಲೂಲ್, **ஒளிருகின்ற**

खबर आई - समाचार आया

अभिभावक - रक्षक

माँगना - ആവശ്യപ്പെടുക, to demand, ಕೇಳಿಕೊಂಡರು, **கேட்டனர்**

भूखा रहना - വിശന്നിരിക്കുക, be hungry, ಹಸಿವಿನಿಂದಿರು **பசித்திருத்தல்**

खुरदुरे बिस्तर - പരുപരുത്ത കിടക്ക, coarse bed, ದೊರ ಗಾದ ಹಾಸಿಗೆ. **கரடு முரடான படுக்கை**

बचा - बाकी

मुसीबत - आपत्ति

के बावजूद - ऐसा होने पर भी

ज़िद - വാശി, stubbornness, ಹಟ, பிடிவாதம்

नींद उड़ गई - मन अशांत हुआ

तय किया - निश्चय किया

चुपके से - दूसरों की आँख बचाकर

इकट्ठा किए - एकत्र किए

उत्तर - വടക്ക്,north, ಉತ್ತರ, வடக்கு

पश्चिम - പടിഞ്ഞാറ്, west, ಪಶ್ಚಿಮ, மேற்கு

उम्मीद - विश्वास

बलूत - ഓക്ക് മരം, oak tree, ಓಕ್ ಮರ, ஓக்மரம்

टहनी - शाखा

चौराहा - നാൽക്കവല, junction, ಕವಲುದಾರಿ(ಜಂಕ್ಷನ್), சந்திப்பு

उड़ान भरते रहे - പറന്നുകൊണ്ടിരുന്നു, were flying, ಹಾರುತ್ತಿದ್ದವು, பறந்து கொண்டிருந்தது

जामुन - ഞാവൽപഴം, java plum, ನೇರಳೆ ಹಣ್ಣು, நாவல் பழம்

बेर - ഇലന്തപ്പഴം, Indian cherry plum, ಬೋರೆ ಹಣ್ಣು(ಎಲಚಿ ಹಣ್ಣು), இலந்தப் பழம்

झरना - അരുവി, stream, ತೊರೆ, அருவி

भटकने से - इधर-उधर घूमने से

थक गई - दुर्बल हो गई

बढ़ने लगी - വർദ്ധിക്കാൻ തുടങ്ങി, began to increase, ಹೆಚ್ಚಾಗಲಾರಂಭಿಸಿತು, அ திகரிக்கத் தொடங்கியது

छूट गया - अलग हो गया

हिम्मत बँधाई - साहस बढ़ाया

बिठाकर - बैठाकर

नाव खेता रहा - തോണി തുഴഞ്ഞുകൊണ്ടിരുന്നു, was rowing the boat, ದೋಣಿಗೆ ಹುಟ್ಟು ಹಾಕುತ್ತಿರು. படகை செலுத்திக்கொண்டே இருந்தனர்

इमारतें - കെട്ടിടങ്ങൾ, buildings, ಕಟ್ಟಡಗಳು, கட்டிடங்கள்

छील रही थी - തൊലി കളഞ്ഞുകൊണ്ടിരുന്നു, was peeling, ಸಿಪ್ಪೆ ತೆಗೆದುಕೊಂಡಿರು, **தோல் உரித்துக்கொண்டே இருந்தனர்**

गर्दन को बाँह में लिपटाया - ചേർത്ത് പിടിച്ചു, hold tightly, ಭುಜದ ಮೇಲೆಕೈ ಹಾಕಿ ಹತ್ತಿರ ಹಿಡಿದು, **தோளில் கை வைத்து அணைத்துப்பிடித்து**

तलाश - अन्वेषण

निशानी - चिह्न

सफ़र - यात्रा

जारी रखा - തുടർന്നു, continued, ಮುಂದುವರಿಯಿತು, **தொடர்ந்தது**

आँसू - കണ്ണുനീർ, tears, ಕಣ್ಣೀರು, **கண்ணீர்**

खलिहान - കളപ്പുര, barn, ಉಗ್ರಾಣ, **தானியக்களஞ்சியம்**

मवेशी - കന്നുകാലികൾ, cattle, ಜಾನುವಾರು, **கால் நடைகள்**

झाँक रहे हैं - എത്തിനോക്കിക്കൊണ്ടിരിക്കുന്നു, peer over, ಇಣುಕಿ ನೋಡುವುದು, **எட்டிப்பார்த்தல்**

गले लगा लिया - आलिंगन किया

पहचान गए - തിരിച്ചറിഞ്ഞു, identified, ಗುರುತಿಸು, **அடை யாளம் காணுதல்**

आँखें छलकना - കണ്ണുകൾ തുളുമ്പുക, tears ran down, ಕಣ್ಣಾಲಿಗಳು ತುಂಬಿ ಬರುವುದು, **கண்ணீர் ததும்புதல்**

गाल - കവിൾത്തടം, cheek, ಕೆನ್ನೆ **கன்னத்தில்**

चूमा - ചുംബിച്ചു, kissed, ಮುತ್ತಿಕ್ಕಿದರು, **முத்தமிட்டனர்**

मिठास - മാധുര്യം, sweetness, ಮಧುರವಾಗಿ, **இனிமையாக**

पत्तियाँ - ചെറിയ ഇലകൾ, small leaves, ಎಲೆಗಳು, **சிறியஇலைகள்**

भटकन - അലഞ്ഞുതിരിയൽ, wandering, ಅಲೆದಾಡಿಕೊಂಡು, **அலைந்து திரிந்து**

खत्म हो गई - समाप्त हो गई

कविता

कब तक?

वंदना टेटे

कब तक जोहते रहोगे
अपनी पहचान जानने
के लिए दूसरे का मुँह
और कब तक आसरे में
रहोगे कि कोई आए
और तुम्हारे लिए लड़े।
कब तक खुश होते रहोगे
कि उनकी कहानी में
तुम्हारा जिक्र है
कि तुम्हारा इतिहास
तुमने नहीं उसने लिखा है।

'अपनी पहचान जानने के लिए दूसरे का मुँह जोहते रहना'—इससे आपने क्या समझा?

'कि तुम्हारा इतिहास / तुमने नहीं उसने लिखा है'— इसमें किस बात की ओर संकेत है?

कब तक जोहते रहोगे
अवतारों के आगमन की बाट
कि हो सके
तुम्हारा उद्धार
क्यों करेगा कोई तुम्हारी
व्यथा का निराकरण
अपनी व्यथा बढ़ाने के लिए।
इसलिए बदलो
कि
समय बदल चुका है
नहीं देता अब कोई
अपना निवाला
नहीं देता अपना गाल
और नहीं रखता कोई
अपने सर पर जूती।
कि आत्म-सम्मान से
बड़ी कोई चीज़ नहीं होती।

'कि आत्म-सम्मान से / बड़ी कोई चीज़ नहीं होती' —इन पंक्तियों पर अपना विचार प्रकट करें।

समान आशयवाली पंक्तियाँ चुनकर लिखें :

- अपना परिचय जानने के लिए दूसरों का इंतज़ार नहीं करो।
- ऐसी आशा छोड़ दो कि तुम्हारे लिए संघर्ष करने कोई आएगा।
- कोई भी तुम्हारा दुख दूर करने को तैयार नहीं होगा जिससे उसके दुख की वृद्धि हो।

कविता पर चर्चा करें और ऐसे महापुरुषों के नाम जोड़ें जिन्होंने समाज के उत्थान के लिए अपनी ज़िंदगी का समर्पण किया है :

- श्रीमती अक्काम्मा चेरियान
- श्रीनारायण गुरु
- महात्मा अय्यंकाली
- वक्कम अब्दुल खादर मौलवी

कविता में 'कोई' शब्द का प्रयोग बार-बार हुआ है। यह किसको सूचित करता है?

प्रयोग की विशेषता पहचानें :

- मुँह जोहना
- बाट जोहना

कविता का आशय लिखें :

वंदना टेटे

जन्म : 13 सितंबर 1969

वंदना टेटे का जन्म झारखंड के सिमडेगा जिले के सामटोली में हुआ। हिंदी और खड़िया में लिखे इनके लेख, कविताएँ और कहानियाँ पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हैं। 'किसका राज है', 'आदिवासी साहित्य : परंपरा और प्रयोजन', 'आदिम राग', 'कोनजोगा' आदि उनकी प्रमुख कृतियाँ हैं।

'कामयाबी की राह पर' इकाई से गुज़रने पर आपने क्या-क्या समझा :

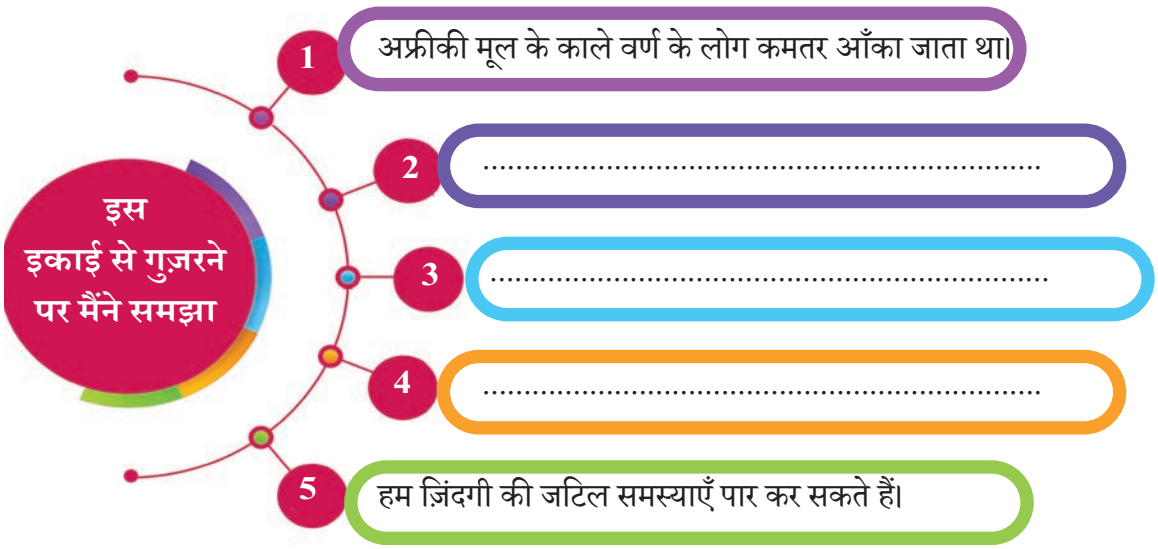

मदद लें...

मुँह जोहना	-	प्रतीक्षा करना
पहचान	-	തിരിച്ചറിവ്, identity, ಗುರುತು, அடையாளம்
आसरा	-	आश्रय
लड़ना	-	संघर्ष करना
ज़िक्र	-	उल्लेख
उद्धार	-	ഉയർത്തൽ, up lift, ಏರಿಸುವುದು, உயர்த்துதல்
निराकरण करना	-	दूर करना
निवाला	-	ചോറുരുള, a ball of cooked rice, ಅಕ್ಕಿ ರೊಲ್, துண்டு
आत्म-सम्मान	-	स्वाभिमान

कब तक ?